



নিয়োজন





नियोजन का अर्थ

नियोजन प्रबंध का वह कार्य है जिसमें लक्ष्यों का निर्धारण करना तथा उन्हें प्राप्त करने हेतु की जाने वाली विभिन्न क्रियाओं को शामिल किया जाता है। इसके अंतर्गत यह निश्चित किया जाता है कि क्या करना है? कब करना है? कब किया जाना है? तथा किसके द्वारा किया जाना है? इन सभी प्रश्नों के बारे में निर्णय लेना ही नियोजन कहलाता है



नियोजन का अर्थ

Planning is the function of management that involves setting goals and the various activities to be taken to achieve them. Under this, it is decided what to do. When to do? When to be done? And by whom? Taking a decision about all these questions is called planning



नियोजन की परिभाषा

नियोजन मूल रूप से चुनाव करना है और नियोजन की समस्या उस समय पैदा होती है, जब किसी वैकल्पिक कार्य की जानकारी प्राप्त हुई हो।

बिली ई. गौज

Planning is basically making choices and the problem of planning arises when an alternative work is known.



नियोजन की परिभाषा

नियोजन भविष्य में देखने की एक विधि या तकनीक है। और आवश्यकताओं का एक रचनात्मक पुनर परीक्षण है। जिससे कि वर्तमान क्रियाओं को निर्धारित लक्ष्यों के संबंध में समायोजित किया जा सके।

जार्ज आर. टैरी

Planning is a method or technique of looking into the future. And there is a creative re-examination of requirements. So that the current actions can be adjusted in relation to the set goals.



नियोजन के चरण

- ❖ अवसरों की जानकारी प्राप्त करना
- ❖ उद्देश्यों का निर्माण करना
- ❖ नियोजन की सीमाओं व आधार का निर्माण करना
- ❖ पूर्व अनुमान लगाना
- ❖ वैकल्पिक मार्गों की खोज करना
- ❖ विकल्पों का मूल्यांकन करना



नियोजन के चरण

- ❖ Finding out about opportunities
- ❖ Creating objectives
- ❖ Creating the boundaries and basis of planning
- ❖ Guessing
- ❖ Exploring alternative routes
- ❖ Evaluating Options



नियोजन का महत्व

- प्रबंध के कार्यों का आधार
- भावी अनिश्चितता को दूर करने के लिए
- उतावले निर्णयों से बचने के लिए
- साधनों का सदुपयोग
- लागत व्यय में कमी
- शैक्षणिक संस्था के लिए महत्व



नियोजन का महत्व

- Basis of Management Functions
- To overcome future uncertainty
- To avoid rash decisions
- Utilization of resources
- Reduction in cost expenditure
- Importance for educational institution



नियोजन के सिद्धांत

- उद्देश्यों के प्रति योगदान का सिद्धांत
- नियोजन की मान्यताओं का सिद्धांत
- कार्यकुशलता का सिद्धांत
- लोच का सिद्धांत
- व्यापकता का सिद्धांत
- समय का सिद्धांत



नियोजन के सिद्धांत

- Principle of Contribution to Objectives**
- Theory of assumptions of planning**
- Principle of efficiency**
- Principle of elasticity**
- Principle of generality**
- Theory of Time**



नियोजन के तत्व

- | | | |
|----|-----------|--------------|
| 1. | कार्यक्रम | Programme |
| 2. | नीतियाँ | Policies |
| 3. | बजट | Budget |
| 4. | मोरचाबंदी | Entrenchment |
| 5. | लक्ष्य | Aim |



नियोजन के प्रकार - समय के आधार पर

- ❖ अल्पकालीन नियोजन
- ❖ मध्यकालीन नियोजन
- ❖ दीर्घकालीन नियोजन



नियोजन के प्रकार - समय के आधार पर

अल्पकालीन नियोजन : यह सामान्यतया एक वर्ष और इससे कम की अवधि के लिए तैयार किया जाता है।

Short Term Planning: It is generally prepared for a period of one year and less.



नियोजन के प्रकार - समय के आधार पर

मध्यकालीन नियोजन : सामान्यतया यह योजना 1 वर्ष से अधिक लेकिन 5 वर्ष से कम की अवधि की होती है

Medium term planning: Generally, this plan is for a period of more than 1 year but less than 5 years



नियोजन के प्रकार - समय के आधार पर

दीर्घकालीन नियोजन : साधारणतया ये योजनाएँ 5 वर्ष या उससे अधिक की अवधि के लिए तैयार की जाती हैं।

Long Term Planning: These plans are generally prepared for a period of 5 years or more.



नियोजन के प्रकार - प्रकृति के आधार पर

- स्थायी नियोजन
- अस्थायी नियोजन



नियोजन के प्रकार - प्रकृति के आधार पर

स्थायी नियोजन: बार-बार उपयोग में लाया जाता है। ये दीर्घकाल तक उपयोगी बने रहते हैं। इनका निर्धारण पूर्व में कर लिया जाता है इनसे फर्म की विश्वसनीयता बढ़ती है।

Permanent Planning: Used repeatedly.
They remain useful for a long time.
These are determined in advance and increase the credibility of the firm.



नियोजन के प्रकार - प्रकृति के आधार पर

अस्थायी नियोजन : यह वह नियोजन है जो किसी विशेष स्थिति के लिए बनाया जाता है और उस उद्देश्य के पूरा हो जाने के साथ ही समाप्त होता है। इन्हें एकल प्रयोग नियोजन के नाम से भी जाना जाता है।

Temporary planning: It is a plan that is made for a particular situation and ends with the completion of that purpose. These are also known as single use planning.



नियोजन के प्रकार - स्तर के आधार पर

- उच्च स्तरीय नियोजन
- मध्य स्तरीय नियोजन
- निम्न स्तरीय नियोजन



नियोजन के प्रकार - स्तर के आधार पर

उच्चस्तरीय नियोजन- यह उच्च स्तर पर कार्य करने वाले प्रबन्धकों द्वारा बनाई गई योजनाएँ . जो कि सम्पूर्ण उपक्रम के क्रियाकलापों को प्रभावित करती हैं। इसमें सं स्था-की सामान्य नीतियाँ स्पष्ट की जाती हैं।

High Level Planning: These are plans made by managers working at a higher level. These affect the activities of the entire enterprise. It explains the general policies of the institution.



नियोजन के प्रकार - स्तर के आधार पर

मध्यस्तरीय नियोजन : इन योजनाओं का निर्माण मध्यस्तरीय प्रबन्धकों द्वारा किया जाता है जो कि निम्नस्तरीय नियोजन के लिए आधार का कार्य करती।

Intermediate Planning: These plans are formulated by intermediate level managers which serve as the basis for low level planning.



नियोजन के प्रकार - स्तर के आधार पर

निम्नस्तरीय नियोजन : निम्न स्तर पर कार्य करने वाले प्रबन्धकों द्वारा बनाई गई योजनाएँ मध्यस्तरीय योजनाओं को कार्य-रूप दे ने का कार्य करती हैं।

Low-level planning: These plans prepared by managers working at lower levels work to give effect to the middle level plans.